राजस्थान विश्वविद्यालय

पी.ई.टी. परीक्षा–2021

विषयः राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति

पाठ्यक्रम

इकाई – 1. राजस्थानी भाषा एवं साहित्य

i. राजस्थानी भाषा का उद्‌भव, विकास एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि – वैदिक एवं लौकिक संस्कृति, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश के संदर्भ में ।

ii. राजस्थान भाषा की प्रमुख बोलियां एवं उनका क्षेत्र – मारवाड़ी, मेवाड़ी, हाड़ौती, ढूंढाड़ी, वागड़ी, मेवाती एवं मालवी

iii. राजस्थानी काव्य शैलियां –
   (i) डिंगल – पिंगल शैली
   (ii) जैन शैली, चारण शैली, संत शैली एवं लौकिक शैली

iv. राजस्थानी वर्णमाला

v. राजस्थानी की विशिष्ट ध्वनियां

vi. राजस्थानी व्याकरण : सामान्य ज्ञान – संज्ञा, सर्वनाम, लिंग, वचन, कारक, विशेषण, क्रिया, क्रिया – विशेषण, अविकारी शब्द (अव्यय), समास, उपसर्ग, प्रत्यय, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द

vii राजस्थानी काव्य – शास्त्र
   i. छंद – दोहा, सोरठा, गीत, कुण्डलियां, छप्पय, नीसांणी, चौपई, झमाल, झूलणा, रेणुकी, कवित्त, चित्त इलोठ
   ii. अलंकार – वयणसगाई, रूपक, उपमा, उत्प्रेक्षा, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, अतिश्योक्ति, व्याजस्तुति, अन्योक्ति, संदेह एवं भ्रांतिमान
   iii. काव्य–दोष अंध, छबकाळ, हीण, निनंग, पांगळौ, जातविरोध, अपस्, नाळछेद, पखतूट, बहरौ, अमंगळ

viii. प्राचीन राजस्थानी साहित्य

ix. मध्यकालीन राजस्थानी साहित्य

x. आधुनिक राजस्थानी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियां एवं रचनाकार तथा रचनाएं

xi. राजस्थान गद्‌य – प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएं

इकाई – 2. राजस्थानी कला, लोक साहित्य एवं संस्कृति

i. राजस्थान की स्थापत्य कला

(i) मंदिर स्थापत्यः ओसिया, देलवाड़ा, रणकपुर, आम्बेर (जगत शिरोमणि)

(ii) दुर्ग स्थापत्य : चित्तौड, रणथंभौर, जैसलमेर,

ii. राजस्थान की चित्रकला

(i) चित्रकला का परिचय, चित्रकला का उद्‌भव एवं विकास, चित्रकला की प्रमुख शैलियां – मेवाड़, ढूँढाड़, किशनगढ़, बूंदी आदि । राजस्थानी चित्रकला की विशेषताएं।

(ii) राजस्थानी लोक चित्रकला – विकास एवं स्वरूप 7 भित्तिचित्र, माँडने, गोदना, फड़, पिछवाई सांझी आदि । लोक चित्रकला की मान्यताएं एवं विशेषताएं । राजस्थान की लोक चित्रकला को प्रोत्साहन एवं संरक्षण ।

(iii) मध्यकाल में राजस्थान में चित्रकला – विकास एवं विशेषताएं । राजस्थान के प्रमुख आधुनिक चित्रकार एवं चित्रकला के विकास में योगदान ।

iii. लोक साहित्य

(i) विषयवस्तु वर्गीकरण एवं विशेषताएं

(ii) राजस्थानी लोकगीत

(iii) राजस्थानी लोककथा

(iv) राजस्थानी लोकगाथा

(v) राजस्थानी लोक–नाट्य

(vi) राजस्थानी लोकोक्ति, कहावतें, मुहावरे एवं पहेलियां

iv. राजस्थानी लोक संस्कृति :

(i) राजस्थानी लोकोत्सव – पर्व, मेले, तीज–त्यौहार

(ii) राजस्थानी लोक देवी–देवता

(iii) राजस्थानी लोककलाएं – मांडवा, मेंहदी, सांझी, फड़, हस्तशिल्प

(vi) राजस्थानी लोक नृत्य – प्रकार एवं कलाकार

(vii) राजस्थानी लोक वाद्य

(viii) राजस्थानी – संस्कार, रीतिरिवाज, खान–पान, वेशभूषा एवं आभूषण

(ix) राजस्थानी लोक विश्वास एवं शकुन

इकाई – 3 राजस्थान का इतिहास

i. राजस्थान की प्रागैतिहासिक संस्कृतियां एवं भौगोलिक विशेषताएं

ii. मत्स्यजनपद, राजपूतों की उत्पत्ति, गुर्जर प्रतिहारों का उदय

iii. मध्यकालीन राजस्थान, तुर्कशासन की स्थापना एवं प्रतिरोध राजस्थान का उत्कर्षकाल महाराणा कुंभा एवं सांगा ।

iv. मुगल – राजपूत संबंध, मेवाड़ का स्वतंत्रता संघर्ष

v. राजपूताना में मराठों का आक्रमण सवाई जयसिंह की मराठा नीति, राजपूत कालीन प्रशासन, जागीर राटी व सामंत प्रथा

vi. राजपूत राज्यों की अंग्रेजों से संधियां (1817–18) ब्रिटिश नियंत्रण पद्धति का विकास । 1857 की क्रांति राजस्थान में ब्रिटिश नीति का विकास

vii. राजस्थान में स्वतंत्रता संग्राम (प्रजामंडल आन्दोलन) राजस्थान का एकीकरण

viii. राजस्थान में जनजातीय आंदोलन 19वीं सदी के प्रमुख जनजातीय प्रतिरोध एवं प्रमुख आन्दोलनकारी ।

(संयोजन, COC)